CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

Series Z1YXW/4

SET ~ 1

प्रश्न-पत्र कोड 3/4/1

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें। #

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

नोट :
(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं।
(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 17 प्रश्न हैं।
(IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

1. *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 17 है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2. *इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' में बहुविकल्पी/वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।*
3. *खंड 'अ' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*
4. *खंड 'ब' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
5. *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।*
6. *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

खंड 'अ' (बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5×1=5**

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। अब किसानों ने जैविक खेती को एक सशक्त विकल्प के रूप में अपना लिया है। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। धीरे-धीरे जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानी के यंत्रों आदि की आसानी से उपलब्धता जैविक खेती की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ा सकती है।

प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी बहुत हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इंसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका प्रयोग काफी ज्यादा करने लगे हैं। वहीं दूसरी तरफ सिक्किम में प्राकृतिक खेती से पर्यावरण को जितनी मदद मिली है उससे साफ़ हो गया है कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

(i) आज जैविक खेती की माँग क्यों बढ़ती जा रही है?
- (a) सस्ती होने के कारण
- (b) अधिक उत्पादन के कारण
- (c) स्वच्छ पर्यावरण के कारण
- (d) सरकारी मदद मिलने के कारण

(ii) सही कथन का चयन कीजिए –
- (a) उत्तर भारत में जैविक खेती के लिए प्रेरणा की जरूरत है।
- (b) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।
- (c) लोगों में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी का अभाव है।
- (d) प्राकृतिक खेती के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षित होना जरूरी है।

(iii) जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाने के लिए क्या करना चाहिए ?
- (a) रासायनिक खेती निषिद्ध की जानी चाहिए।
- (b) बाज़ार में केवल जैविक उत्पादों की बिक्री होनी चाहिए।
- (c) युवकों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- (d) जैविक बीज़, खाद, किसानी के यंत्र आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवानी चाहिए।

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

(iv) वर्तमान समय में खेती के लिए, अनुसंधानों में बढ़ोतरी किसके बारे में हुई है?
   (a) जैविक खेती
   (b) रासायनिक खाद
   (c) नई-नई दवाइयाँ
   (d) नए बीज

(v) किसान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों करने लगे हैं?
   (a) सहज उपलब्धता के कारण
   (b) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण
   (c) अधिक प्रचार-प्रसार के कारण
   (d) सस्ती होने के कारण

2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5×1=5**

पद्यांश – एक

भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से,
मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे।
घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में,
सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे।
प्रगति और विज्ञान का नाम लेकर,
मनुज को मनुज आज ठगने लगे हैं।
नई आर्थिक दौड़ की रोशनी में,
हमें मूल्य सब झूठ लगने लगे हैं।
मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो,
इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे।
सही या ग़लत रह गया क्या कहीं कुछ,
ज़रा भी उचित और अनुचित नहीं कुछ।
सुनो इस क़दर स्वार्थ टकरा रहे हैं,
पतन की नहीं और सीमा रही कुछ।
मगर हम उठेंगे प्रलय मेघ बनकर,
कठिन दुर्ग पाखंड के सब ढहेंगे।
बताना हमें सत्य सारे जगत को,
जगाना हमें सुप्त इंसानियत को।
करेगा ज़माना सदा गर्व हम पर,
हमें खोजना एकता के अमृत को।
भले ही किसी राह जाए ज़माना,
मगर हम सही राह थामे रहेंगे।

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

(iv) वर्तमान समय में खेती के लिए, अनुसंधानों में बढ़ोतरी किसके बारे में हुई है?
   (a) जैविक खेती
   (b) रासायनिक खाद
   (c) नई-नई दवाइयाँ
   (d) नए बीज

(v) किसान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों करने लगे हैं?
   (a) सहज उपलब्धता के कारण
   (b) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण
   (c) अधिक प्रचार-प्रसार के कारण
   (d) सस्ती होने के कारण

2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

पद्यांश – एक

भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से,
मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे।
घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में,
सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे।
प्रगति और विज्ञान का नाम लेकर,
मनुज को मनुज आज ठगने लगे हैं।
नई आर्थिक दौड़ की रोशनी में,
हमें मूल्य सब झूठ लगने लगे हैं।
मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो,
इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे।
सही या ग़लत रह गया क्या कहीं कुछ,
ज़रा भी उचित और अनुचित नहीं कुछ।
सुनो इस क़दर स्वार्थ टकरा रहे हैं,
पतन की नहीं और सीमा रही कुछ।
मगर हम उठेंगे प्रलय मेघ बनकर,
कठिन दुर्ग पाखंड के सब ढहेंगे।
बताना हमें सत्य सारे जगत को,
जगाना हमें सुप्त इंसानियत को।
करेगा ज़माना सदा गर्व हम पर,
हमें खोजना एकता के अमृत को।
भले ही किसी राह जाए ज़माना,
मगर हम सही राह थामे रहेंगे।

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

पद्यांश – दो **5×1=5**

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर
नव स्वतंत्रता के प्रवेश के!
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा!
आज दिशा है घोर अँधेरी
नभ में गरज रही रणभेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर
झनक रही झिल्ली झन-झन कर,
नाच-नाच आँगन में गाते केकी-केका
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा!
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल।
कौन हृदय में कहता पल-पल
मृत्यु आ रही साजे दल बल!
आग लग रही, घात चल रहे, विधि का लेखा!
काले बादल में छिपती चाँदी की रेखा!
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है!
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की
सोने की रेखा!

(i) 'काले बादल' और 'चाँदी की रेखा' किनका प्रतीक हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए नीचे दिए प्रतीकों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।
(a) विपत्तियाँ
(b) कालिमा
(c) आशा की किरण
(d) बिजली

विकल्प –
I. (a, b) II. (c, d) III. (a, c) IV. (b, d)

(ii) स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग में किस प्रकार के बादल छाए हुए हैं? नीचे दिए गए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।
(a) जाति द्वेष के
(b) घनघोर घटाओं के
(c) परस्पर वैमनस्य के
(d) वैश्विक अशांति के
विकल्प –
I. (a, b) II. (b, c) III. (c, d) IV. (a, d)

(iii) कैसे वातावरण में आशा की किरण छिप जाती है? नीचे दिए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।
(a) जब तेज़ वर्षा हो
(b) जब मन निराशा से भयभीत हो
(c) जब षड्यंत्र रचे जा रहे हों
(d) जब बादल न छाए हों
विकल्प –
I. (a, b) II. (b, c) III. (c, d) IV. (a, d)

(iv) मोर-मोरनी द्वारा आँगन में नृत्य प्रस्तुत करने से क्या अभिप्राय है?
(a) उन दोनों का प्रसन्न होकर नृत्य करना।
(b) निराशा के बादल छँटने लगे, खुशियों ने दस्तक दे दी है।
(c) दोनों नृत्य कर बादलों को बरसने के लिए मज़बूर कर रहे हैं।
(d) मोर सुहावने मौसम का आनंद ले रहे हैं।

(v) 'चाँदी की रेखा' को 'सोने की रेखा' में कब बदला जा सकता है?
(a) देश-जातियों की एकता होने पर
(b) काले बादलों के दूर होने पर
(c) बादलों में सूर्य के छिपने पर
(d) मृत्यु से भयभीत न होने पर

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– **4×1=4**

(i) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य कौन-सा है?
(a) हालदार साहब जब कस्बे से गुजरते तब नेताजी की मूर्ति पर बदले हुए चश्मों को देखते।
(b) ज्ञान-चक्षु खुल गए।
(c) नवाब साहब ने खीरे की तैयारी की और थककर लेट गए।
(d) क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य कौन-सा है?
- (a) उन्होंने हमें देखकर भी अनदेखा किया।
- (b) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।
- (c) दूर तो जाना नहीं था।
- (d) बर्थ पर एक सफ़ेदपोश सज्जन बैठे थे जिन्होंने हमारी संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया।

(iii) निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य होगा :
पानी मुँह में भर आया और उसका घूँट गले से उतर गया।
- (a) जब पानी मुँह में भर आया तब उसका घूँट गले से उतर गया।
- (b) जैसे ही मुँह में पानी भर आया वैसे ही उसका घूँट गले से उतर गया।
- (c) मुँह में पानी भर आया इसलिए पानी का घूँट गले से उतर गया।
- (d) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए –
<u>जब भी वे काशी से बाहर रहते,</u> तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते।
- (a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
- (b) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य
- (c) विशेषण आश्रित उपवाक्य
- (d) प्रधान उपवाक्य

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए –
उनकी भाव-भंगिमा से स्पष्ट हो रहा था <u>कि उस प्रक्रिया में वे खीरे का रसास्वादन कर रहे हैं।</u>
- (a) प्रधान उपवाक्य
- (b) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
- (c) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य
- (d) विशेषण आश्रित उपवाक्य

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए – **4×1=4**

(i) 'वे हमें भी मामूली लोगों की हरकत में लथेड़ लेना चाहते हैं।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?
- (a) कर्तृवाच्य
- (b) कर्मवाच्य
- (c) भाववाच्य
- (d) मुख्यवाच्य

(ii) 'नवाब साहब द्वारा खीरे पर मसाला छिड़का गया।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?
- (a) कर्तृवाच्य
- (b) भाववाच्य
- (c) कर्मवाच्य
- (d) मुख्यवाच्य

(iii) 'उनसे बर्थ पर सुविधा से बैठा नहीं जा रहा था।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?
- (a) कर्मवाच्य
- (b) भाववाच्य
- (c) कर्तृवाच्य
- (d) मुख्यवाच्य

(iv) 'सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उन्होंने खीरे खरीदे होंगे।'
इस वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप होगा–
- (a) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे गए होंगे।
- (b) उन्होंने खीरे, सफ़र का वक्त काटने के लिए ही, खरीदे होंगे।
- (c) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनसे खीरे खरीदे जा रहे थे।
- (d) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे जाएँगे।

(v) निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?
- (a) टिकट सेकंड क्लास का लिया गया।
- (b) फाँक को सूँघा गया।
- (c) जेब से चाकू निकाला गया।
- (d) ऊपर की बर्थ पर चढ़ा नहीं जाता।

5. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** पदों के सही पद परिचय वाला विकल्प चुनकर लिखिए – **4×1=4**

"नमक-मिर्च छिड़क दिए जाने से ताज़े खीरे की पनियाती फाँकें देखकर मुँह में पानी खूब आ रहा था लेकिन वे इनकार कर चुके थे।"

(i) खीरे
- (a) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
- (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
- (c) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
- (d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

(ii) पनियाती
   (a) गुणवाचक विशेषण, 'फाँकें' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन
   (b) गुणवाचक विशेषण, 'खीरे' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन
   (c) गुणवाचक विशेषण, 'फाँकें' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
   (d) गुणवाचक विशेषण, 'खीरे' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iii) खूब
   (a) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'देखकर' क्रिया का विशेषण
   (b) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'आ रहा था' क्रिया का विशेषण
   (c) स्थानवाचक क्रिया – विशेषण, 'देखकर' क्रिया का विशेषण
   (d) रीतिवाचक क्रिया – विशेषण, 'आ रहा था' क्रिया का विशेषण

(iv) लेकिन
   (a) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्य जोड़ रहा है
   (b) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है
   (c) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है
   (d) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है

(v) वे
   (a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्ताकारक
   (b) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
   (c) निश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
   (d) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

6. निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **4×1=4**

(i) "मंगन को देखि पट देत बार-बार है।" इस पंक्ति में निहित अलंकार है–
   (a) उत्प्रेक्षा
   (b) अतिशयोक्ति
   (c) मानवीकरण
   (d) श्लेष

(ii) "सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।"
   इस चौपाई में प्रयुक्त अलंकार है –
   (a) उत्प्रेक्षा
   (b) अतिशयोक्ति
   (c) मानवीकरण
   (d) श्लेष

(iii) "जिसके अरुण – कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) मानवीकरण
(c) उत्प्रेक्षा
(d) अतिशयोक्ति

(iv) "पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।" इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –
(a) अतिशयोक्ति
(b) श्लेष
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

(v) "हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग
लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग"
इस दोहे में निहित अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) अतिशयोक्ति
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – **5×1=5**

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था–
(a) देशप्रेम की भावना
(b) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
(c) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना
(d) मूर्ति का रख-रखाव न होना

CBSE Class 10 Hindi (Course A) Question Paper 2023

(iii) "जिसके अरुण – कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) मानवीकरण
(c) उत्प्रेक्षा
(d) अतिशयोक्ति

(iv) "पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।" इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –
(a) अतिशयोक्ति
(b) श्लेष
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

(v) "हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग
लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग"
इस दोहे में निहित अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) अतिशयोक्ति
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5×1=5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था–
(a) देशप्रेम की भावना
(b) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
(c) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना
(d) मूर्ति का रख-रखाव न होना

(iii) ''जिसके अरुण – कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।'' इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–

(a) श्लेष
(b) मानवीकरण
(c) उत्प्रेक्षा
(d) अतिशयोक्ति

(iv) ''पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।'' इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(a) अतिशयोक्ति
(b) श्लेष
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

(v) ''हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग
लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग''
इस दोहे में निहित अलंकार है–

(a) श्लेष
(b) अतिशयोक्ति
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5×1=5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था–

(a) देशप्रेम की भावना
(b) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
(c) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना
(d) मूर्ति का रख-रखाव न होना

(iii) "जिसके अरुण – कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।" इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) मानवीकरण
(c) उत्प्रेक्षा
(d) अतिशयोक्ति

(iv) "पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश।" इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –
(a) अतिशयोक्ति
(b) श्लेष
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

(v) "हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग
लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग"
इस दोहे में निहित अलंकार है–
(a) श्लेष
(b) अतिशयोक्ति
(c) उत्प्रेक्षा
(d) मानवीकरण

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5×1=5

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था–
(a) देशप्रेम की भावना
(b) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
(c) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना
(d) मूर्ति का रख-रखाव न होना